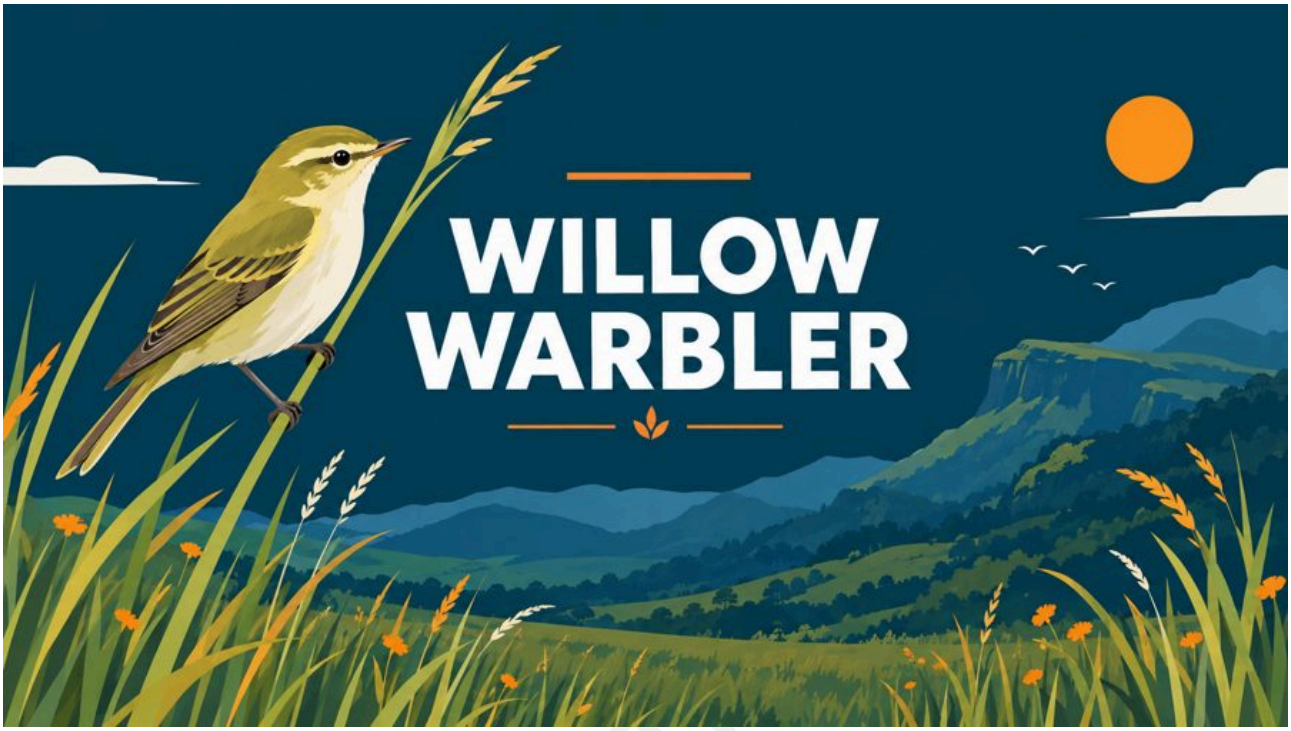
विलो वार्बलर: मंगलुरु की केंजर घास-भूमि में कर्नाटक का पहला दर्शन



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

13 नवंबर 2026: मंगलुरु के पास **केंजर घास-भूमि (Kenjar grasslands)** में दर्ज दुर्लभ प्रवासी पक्षी **विलो वार्बलर (Willow Warbler)** को **कर्नाटक का पहला दर्शन** और भारत में प्रजाति का **पाँचवां पुष्टिकृत रिकॉर्ड** माना जा रहा है।

विलो वार्बलर: परिचय

परिचय: अत्यंत व्यापक पैलेआर्क्टिक प्रवासी कीटभक्षी गायन-पक्षी (songbird); वैज्ञानिक नाम **Phylloscopus trochilus**।

पहचान: लंबाई करीब 11 सेमी, पंख-फैलाव 19 सेमी; ऊपर हरित-भूरा, नीचे धूमिल-सफेद से पीला; पंखों पर पट्टियाँ (wingbars) नहीं; गुलाबी-पीले पैर, लंबी-हल्की चोंच और लंबा प्राइमरी-प्रोजेक्शन (पंख-सिरा) इसे समरूप प्रजातियों से अलग करते हैं।

संरक्षण-स्थिति: IUCN रेड लिस्ट में **'लीस्ट कंसर्न'**।

आवास और प्रवास

प्रजनन-क्षेत्र: आयरलैंड से पूर्वी साइबेरिया के अनादिर नदी-बेसिन तक यूरोप और पैलेआर्क्टिक; बिर्च, ऐल्डर और विलो वाले खुले वन-भाग पसंद; बगीचे, बाड़ियाँ और चरागाह भी।

प्रवास: प्रबल प्रवासी – लगभग पूरी आबादी सर्दियाँ **उप-सहारा अफ्रीका** में बिताती है।

भारत में रिकॉर्ड

दुर्लभता: भारत में अब तक चार पुष्टिकृत दर्शन दर्ज थे (पहला 2020 में केरल, फिर 2024 में कन्याकुमारी सहित); केंजर (दक्षिण कन्नड) का रिकॉर्ड पाँचवां है और कर्नाटक का पहला – तटीय घास-भूमि पारिस्थितिकी का संरक्षण-महत्व उजागर करता है।

परीक्षा की दृष्टि से

प्रश्न वैज्ञानिक नाम (Phylloscopus trochilus), दर्शन-स्थल (केंजर, मंगलुरु), रिकॉर्ड-क्रम (कर्नाटक पहला, भारत पाँचवां), शीत-क्षेत्र (उप-सहारा अफ्रीका) और IUCN स्थिति पर बन सकते हैं।

> **संबंधित लेख:** अभयारण्य-संरक्षण की एक और खबर पढ़ें: **भेरजन-बोरजन-पदुमोनी अभयारण्य: केंद्र ने 1 किमी परि-संवेदनशील क्षेत्र का प्रस्ताव रखा**

प्रिलिम्स अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. विलो वार्बलर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका वैज्ञानिक नाम Phylloscopus trochilus है

2. यह प्रमुखतः उप-सहारा अफ्रीका में सर्दियाँ बिताता है

3. कर्नाटक का केंजर रिकॉर्ड भारत में इसका पहला दर्शन है

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक
(b) केवल दो
(c) तीनों
(d) कोई नहीं

> **उत्तर और व्याख्या**
>
> **उत्तर: (b)**
>
> कथन 1 और 2 सही हैं। कथन 3 गलत है – केंजर कर्नाटक का पहला लेकिन भारत का पाँचवां पुष्टिकृत रिकॉर्ड है।

प्रश्न 2. कर्नाटक में विलो वार्बलर का पहला दर्शन कहाँ दर्ज हुआ?

(a) बृहद मैसूर गार्डन, बेंगलुरु
(b) केंजर घास-भूमि, मंगलुरु के पास
(c) रानीबेन्नूर काले हिरण अभयारण्य
(d) बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान

> **उत्तर और व्याख्या**
>
> **उत्तर: (b)**
>
> दक्षिण कन्नड में मंगलुरु के पास केंजर घास-भूमि में यह रिकॉर्ड हुआ – भारत में प्रजाति का पाँचवां पुष्टिकृत दर्शन।

PCSMANTRA.COM